उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद्, रामनगर (नैनीताल)

इण्टरमीडिएट परीक्षा (उत्तराखण्ड) 12 पन्ने

केन्द्र संख्या की मुहर	केन्द्र व्यवस्थापक के हस्ताक्षर

नोट–केन्द्र के नाम की मुहर उत्तरपुस्तिका के किसी भी भाग पर न लगाएं।

नोट–परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका के किसी भी भाग में अपना नाम व केन्द्र का नाम न लिखें।

'ब' उत्तर पुस्तिका की संख्या–

$ब_1$	$ब_2$	$ब_3$	$ब_4$

हस्ताक्षर कक्ष निरीक्षक–

परीक्षार्थी द्वारा भरा जायेगा–

अनुक्रमांक (अंकों में)–

अनुक्रमांक (शब्दों में

विषय–

प्रश्नपत्र संकेतांक–

परीक्षा का दिन–

परीक्षा तिथि–

कक्ष निरीक्षक द्वारा भरा जाय–

केन्द्र संख्या–

परीक्षा कक्ष संख्या–

उपरोक्त सभी प्रविष्टियों की जाँच मेरे द्वारा सावधानीपूर्वक कर ली गयी है।

कक्ष निरीक्षक का नाम–

दिनांक–

हस्ताक्षर कक्ष निरीक्षक–

प्रमाणित किया जाता है कि मैंने इस उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन समुचित प्रश्न–पत्र संकेतांक तथा मूल्यांकन निर्देशों के अनुसार किया है। प्राप्तांकों का मुखपृष्ठ पर अग्रसारण कर प्राप्तांकों एवं प्राप्तांकों के योग का मिलान कर लिया गया है। एवार्ड ब्लैंक में प्राप्तांकों की अंकना कर उनका पुनः मिलान भी कर लिया है। किसी भी प्रकार की त्रुटि के लिए मैं उत्तरदायी रहूँगा/रहूँगी।

परीक्षक के हस्ताक्षर एवं संख्या

1. अंकेक्षक के

2. अंकेक्षक व

सन्निरीक्षा पूर्व अंक–

सन्निरीक्षा पश्चात् अंक–

त्रुटि का प्रकार–

दिनांक–

हस्ताक्षर निरीक्षक–

परीक्षक, निम्न तालिका में प्रत्येक प्रश्न तथा उसके खण्डों के प्राप्तांकों का विवरण यथास्थान भरें।

प्रश्न संख्या	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	ञ	योग
01											
02											
03											
04											
05											
06											
07											
08											
09											
10											
11											
12											
13											
14											
15											
16											
17											
18											
19											
20											
21											
22											
23											
24											
25											
32											
33											
34											
35											

योग (शब्दों

खण्ड 'अ'

प्रश्न संख्या ①
उत्तर संख्या ①

चुनाव की समस्या निम्न कारणों से उत्पन्न होती है
असीमित आवश्यकताएँ
साधनों के वैकल्पिक प्रयोग

उत्तर संख्या ②

माँग में परिवर्तन :- गिरते हुए मूल्य के साथ माँग की मात्रा बढ जाती है तथा बढ़ते हुए मूल्य के साथ माँग की मात्रा घट जाती है। इसे ही मांग में परिवर्तन कहते हैं।

उत्तर संख्या ③

जब सीमांत उपयोगिता शून्य होती है तब कुल उपयोगिता कि
अधिकतम

उत्तर संख्या ④

सीमांत उत्पाद सामान्यत गिरता हुआ होता है

(P.T.O)

उत्तर संख्या (5)

बाजार की किस स्थिति में फर्मों का स्वतंत्र प्रवेश व बहिर्गमन होता है।
पूर्ण प्रतियोगिता

उत्तर संख्या (6)

उत्पादन संभावना वक्र :- उत्पादन संभावना वक्र X और Y के उन संयोगों को बताता है जिनका उपयोग अर्थव्यवस्था के संसाधनों के द्वारा पूर्ण रूप से किया जाता है। उत्पादन संभावना वक्र कहलाता है।

तालिका द्वारा स्पष्टीकरण

इकाईयाँ	गेहूं की मात्रा	चावल की मात्रा
A	4	12
B	5	14
C	6	15
D	7	17
E	8	18

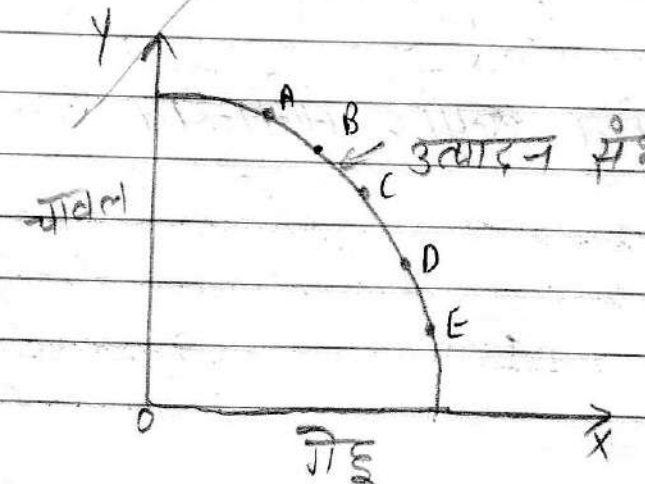

उत्तर संख्या (7)

सामान्य वस्तु :- सामान्य वस्तु वे वस्तु है जिनकी माँग उपभोक्ता की आय बढने पर बढने लगती है तब आय घटने पर घटने लगते है।

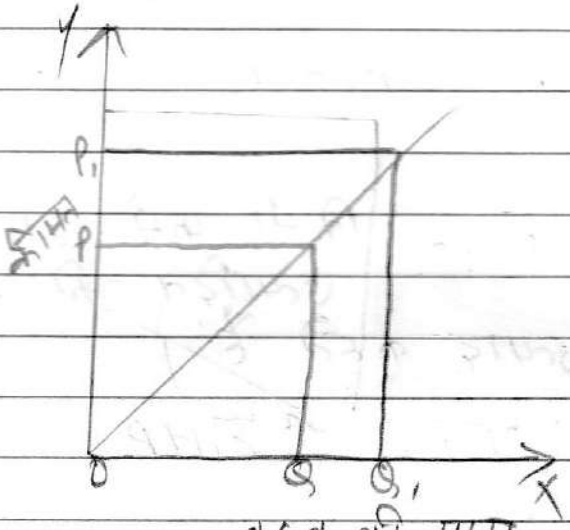

निकृष्ट वस्तुएँ :- वे वस्तु जिनकी माँग उपभोक्ता की आय बढने पर घटने लगती है तथा आय घटने पर बढने लगती है निम्न स्तरीय वस्तु कहते है। जैसे माँस की तुलना मे उबल रोटी

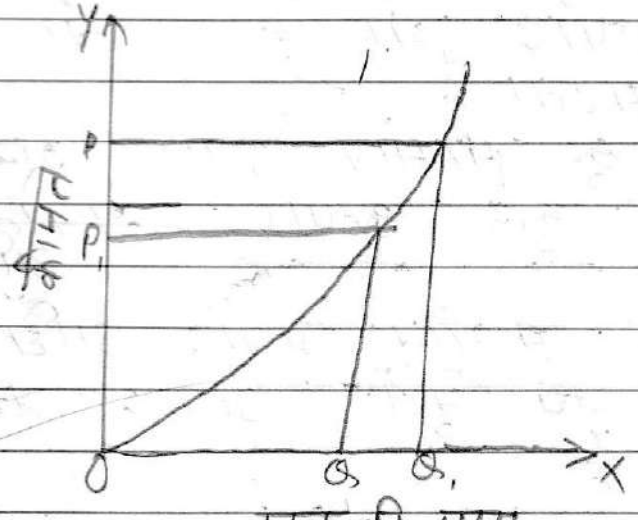

उत्तर संख्या (8)

सीमांत का अर्थ है :- एक अतिरिक्त

सीमांत उत्पाद :- उत्पादित वस्तुओं तथा सेवाओं से कुल उत्पाद में जो वृद्धि होती है उसे सीमांत उत्पाद कहते हैं।

$$MP = TP_n - TP_{n-1}$$

कुल उत्पाद :- किसी फर्म द्वारा एक वर्ष में उत्पादित की गई वस्तुओं/सेवा को कुल उत्पाद कहते हैं।

$$TP = \Sigma MP$$

सीमांत उत्पाद तथा कुल उत्पाद में संबंध

1- जब कुल उत्पाद बढ़ता है तब सीमांत उत्पाद भी बढ़ती हुई दर से बढ़ता है

2- जब कुल उत्पाद घटता है तब सीमांत उत्पाद भी घटती हुई दर से घटता है

3- जब सीमांत उत्पाद शून्य होता है तब कुल उत्पाद अधिकतम होता है

जब सीमांत उत्पाद अधिकतम होता है तब कुल उत्पाद ऋणात्मक होता है

उत्तर संख्या (9)

उदासीनता वक्र :- उदासीनता वक्र वह वक्र है जो x और y के दो ऐसे संयोग को बताता है जो व्यक्ति को समान संतुष्टि प्रदान करता है

उदासीनता वक्र की विशेषतायें

1- उदासीनता वक्र मूल बिंदु की ओर उन्तोदार होता है

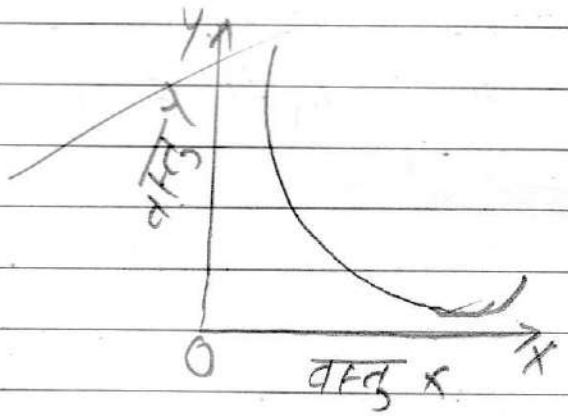

2- उदासीनता वक्र बाये से दाये नीचे की ओर गिरता हुआ होता है

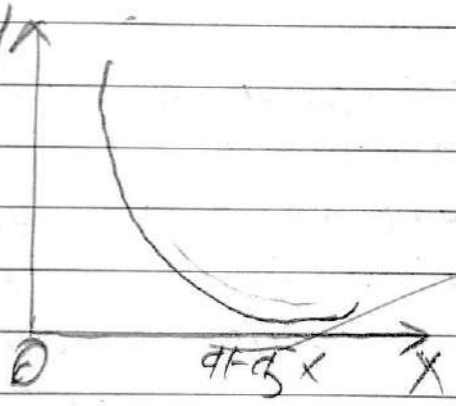

3. उदासीनता वक्र में यह संभव नहीं कि सारी रेखाये समांतर हो।

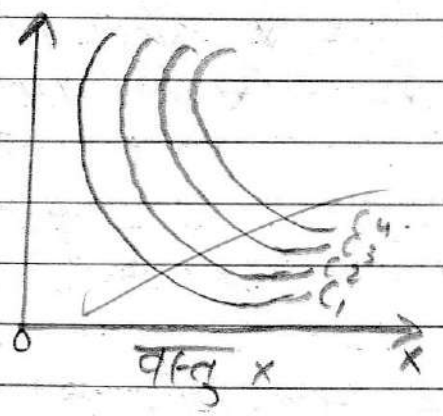

4. उदासीनता वक्र ये रेखाये कभी एक दूसरे को प्रतिच्छेद नहीं करती है।

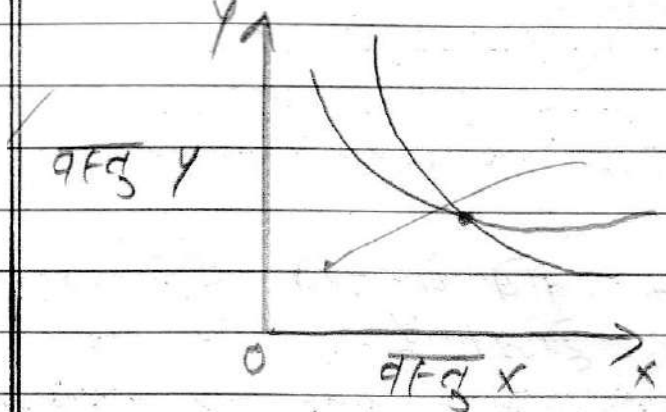

प्रश्न संख्या (10)

निम्न तालिका को पूर्ण प्रतियोगिता के अंतर्गत संतुलन को चित्र से स्पष्ट कीजिए

कीमत	मॉग की मात्रा	पूर्ति की संख्या
1	100	10
5	60	40
8	50	50
10	30	60
20	10	100

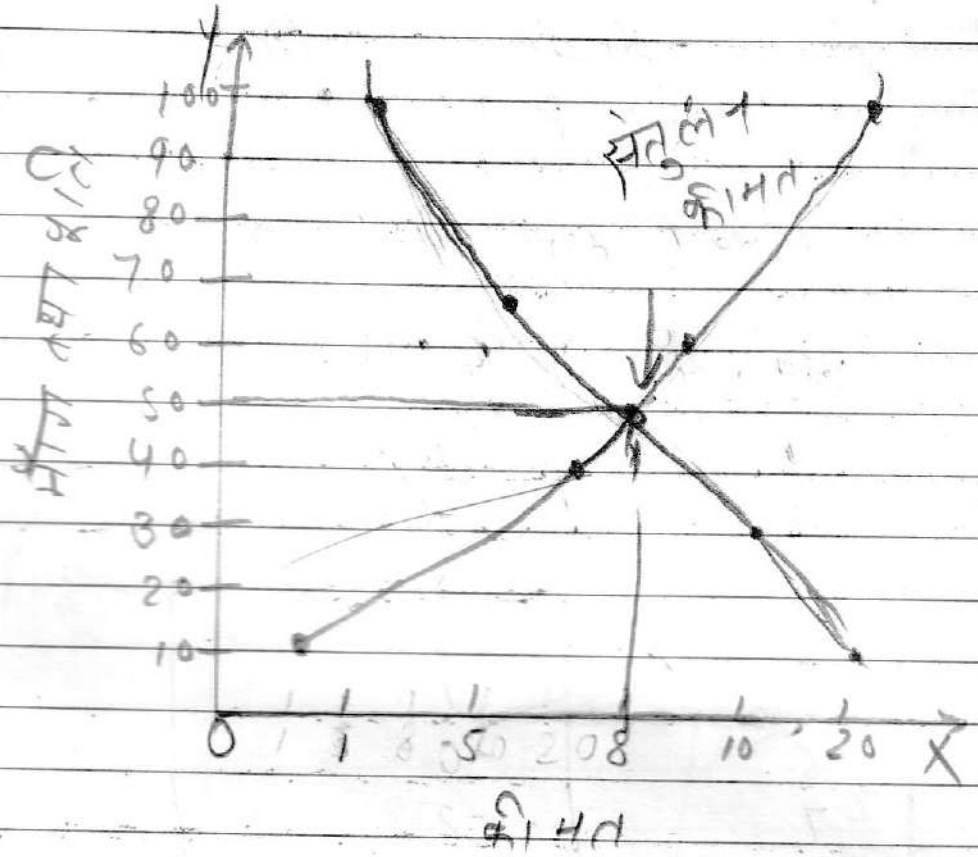

उत्तर संख्या (11)

सीमांत उपयोगिता ह्रास नियम : अन्य बाते समान रहने पर जब कोई उपभोक्ता किसी वस्तु का क्रमिक रूप से उपभोग करता है। तब तथा तब वह अपने उपभोग को स्थिर रखकर किसी अन्य वस्तु का उपभोग करता है तो यह सीमांत दर ऋणात्मक होता है। इसे एच. एस. गोसेन का प्रथम नियम कहते हैं। जब कोई उपभोक्ता सीमांत उपयोगिता का प्रयोग करता है तब सीमांत उपयोगिता सामान्यतः घटते हुए क्रम मे होती है

P.T.O

इसे ही सीमांत उपयोगिता ह्रास नियम कहते हैं।

तालिका द्वारा स्पष्टीकरण

इकाइयाँ	आइसक्रीम की सीमांत उपयोगिता
1	8
2	7
3	5
4	3
5	1
6	0
7	-2

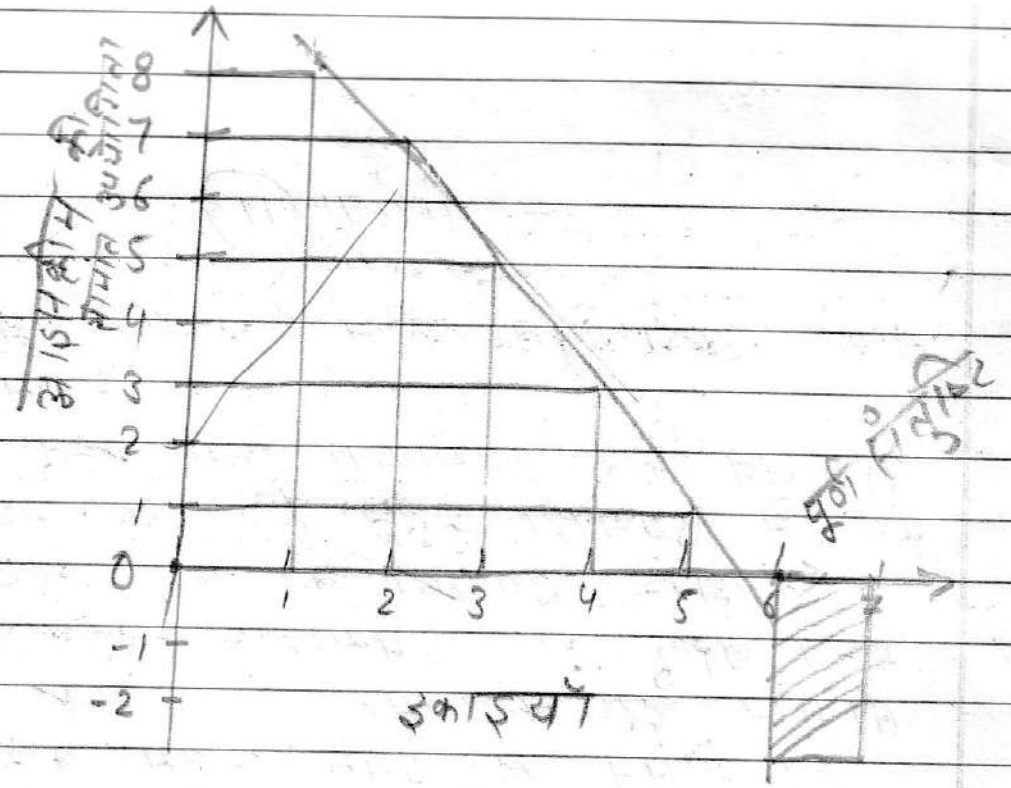

उत्तर संख्या (12)

सीमांत लागत :- सीमांत का अर्थ है एक अतिरिक्त इकाई। एक अतिरिक्त इकाई की ~~के~~ व्यय से कुल लागत में जो वृद्धि होती है उसे सीमांत लागत कहते हैं।

$$MC = TC_n - TC_{(n-1)}$$

इकाई	कुल लागत	सीमांत लागत
1	20	20
2	26	6
3	31	5
4	38	7
5		

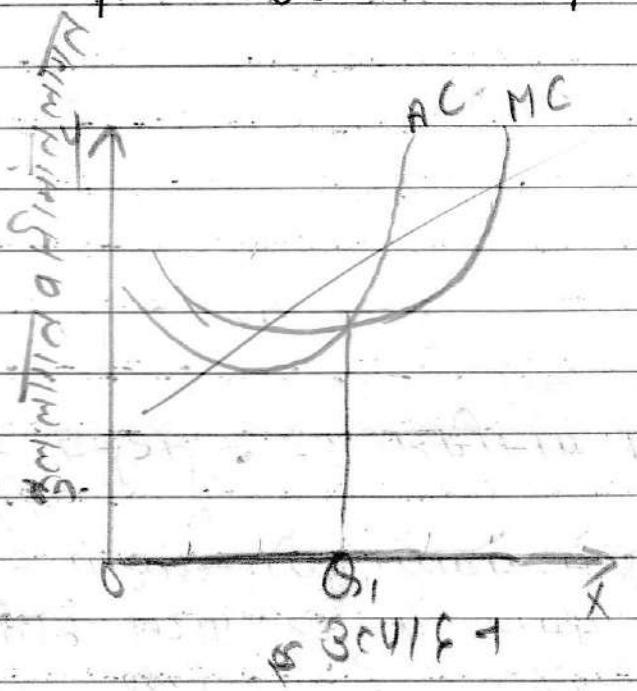

उत्तर संख्या (13)

पूर्ति में वृद्धि :- कीमत को स्थिर रखते हुए पूर्ति के अन्य तत्वों जैसे रुचि आदि में परिवर्तन किया जाता है

P.T.O

तो इसे पूर्ति में वृद्धि कहते है

तालिका द्वारा स्पष्टीकरण

इकाईया	कीमत	पूर्ति
1	4	15
2	4	16

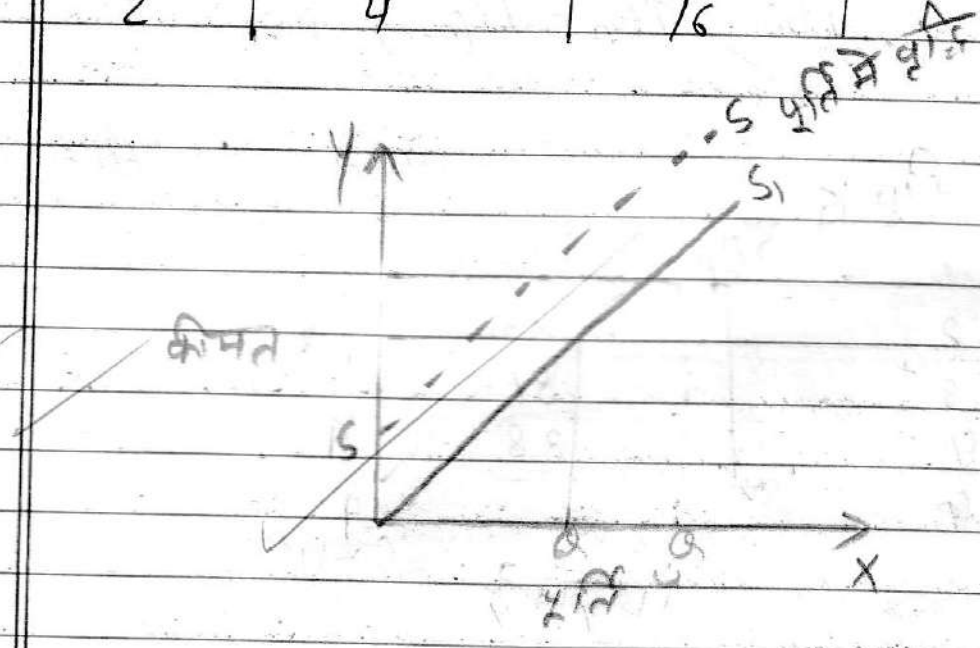

उत्तर संख्या (14)

तटस्थ मानचित्र :- तटस्थ मानचित्र वह है जिसमे x और y ऐसे संयोगों को बताता है जिससे व्यक्ति को समान संतुष्टि प्राप्त होती है। इसे सम संतुष्टि वक्र भी पुकारा जाता है मार्शल के अनुसार उदासीनता तालिका वह तालिका जिसमें व्यक्ति को समान संतुष्टि प्राप्त होती है उदासीनता तालिका को वक्र के रूप में प्रदर्शित करना ही तटस्थ मानचित्र कहलाता है

तालिका द्वारा स्पष्टीकरण

संयोग	संतरे	आम	सीमांत प्रतिस्थापन दर
पहला बंडल	10	1	1:1
दूसरा बंडल	8	2	1:2
तीसरा बंडल	5	3	1:3
चौथा बंडल	4	4	1:4
पाँचवा बंडल	2	5	1:5

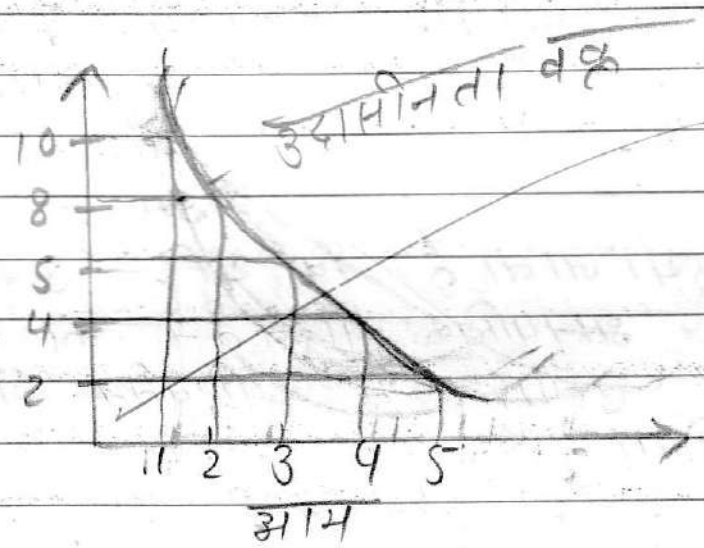

उदासीनता मानचित्र की शर्तें

1. यह उपभोक्ता को संतुष्टि प्रदान करता है।
2. यह सदैव बाये से दाये नीचे की ओर गिरता हुआ होता है
3. यह माँग के नियम पर आधारित होता है

चित्र से पता चलता है कि संतरे की कीमत बढने पर आम का इकाइयाँ कम होती जा रही है इससे पता चलता है संतरा (X) आम (Y) दो ऐसे संयोग है जो व्यक्ति को समान संतुष्टि प्रदान करता है

(P.T.O)

उत्तर संख्या (15)

दीर्घकालीन उत्पादन फलन :- दीर्घकालीन उत्पादन फलन वह है जिसमें सभी साधनों में परिवर्तन किया जाता है। इसमें किसी भी साधन को स्थिर नहीं रखा जाता है बल्कि इसमें सभी साधन परिवर्तन शील होते हैं।

दीर्घकालीन उत्पादन फलन पैमाने के प्रतिफल के नियम पर लागू होता है।

पैमाने के प्रतिफल :- पैमाने के प्रतिफल में इस बात का अध्ययन किया जाता है कि यदि उत्पत्ति के साधनों में अनुपातिक परिवर्तन कर दिया जाये तो उत्पादन में परिवर्तन किस प्रकार होगा।

पैमाने के प्रतिफल के तीन नियम

1- बढ़ते पैमाने का प्रतिफल नियम :- जब सभी साधनों को एक अनुपात में बढ़ाया जाता है जिससे पैमाने में अधिक वृद्धि होती है यदि उत्पादन में अधिक वृद्धि होता है तो इसे पैमाने को बढ़ता प्रतिफल नियम कहते है

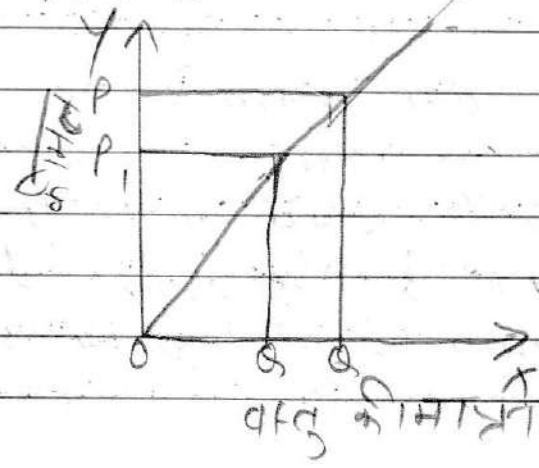

2. घटते प्रतिफल का नियम :- जब सभी साधनों को एक ही अनुपात मे बढाया जाता है है उत्पादन में ~~वृद्धि~~ कमी होती है तो इसे घटते प्रतिफल का नियम कहते है।

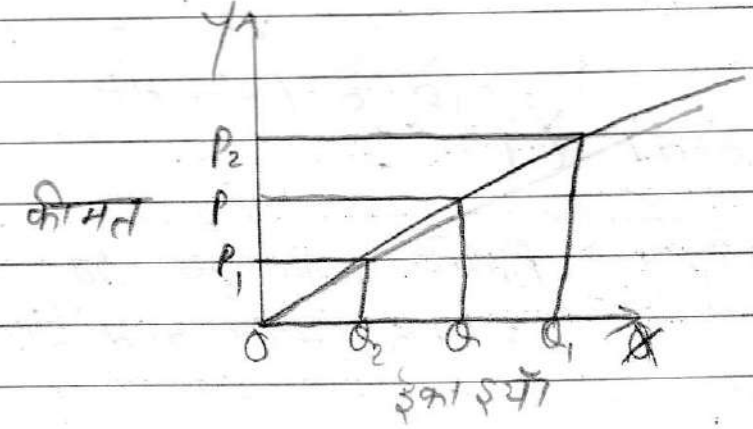

3. स्थिर प्रतिफल का नियम :- जब सभी साधनों को एक ही अनुपात में बढाया जाता है इसके फलस्वरूप पैमाने में वृद्धि होती है लेकिन उत्पादन स्थिर रहता है तो इसे पैमाने का स्थिर प्रतिफल का नियम कहते है।

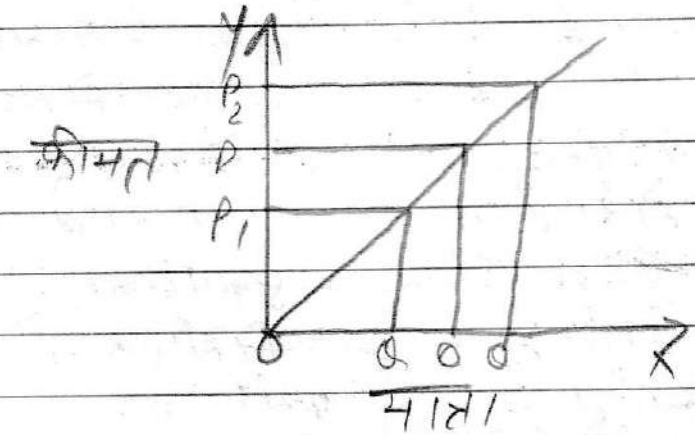

(P.T.O)

उत्तर संख्या (16)

पूर्ण प्रतियोगिता :- वह प्रतियोगिता है जिसमे विक्रेताओं की संख्या अधिक होती है तथा ये किसी फर्म की कीमत को प्रभावित नहीं करते है। इसमें वस्तुएँ समरूप होती हैं।

एकाधिकार :- जिसमे ~~व~~ ~~ध~~ एक विक्रेता तथा अधिक क्रेता होते हैं। यह वह बाजार ~~ब~~ है जिसमें एकव्यक्ति का अधिकार होता है इसका उद्देश्य अधिकतम लाभ कमाना है

पूर्ण प्रतियोगिता तथा एकाधिकार में अंतर

	पूर्ण प्रतियोगिता	एकाधिकार
1-	पूर्ण प्रतियोगिता क्रेता तथा विक्रेताओं की संख्या अधिक होती है	एकाधिकार एक विक्रेता तथा क्रेताओं की संख्या अधिक होता है
2-	इसमें समरूप वस्तुएँ उत्पादित होती है	इसमें वस्तु विभेद पाया जाता है।
3-	पूर्ण प्रतियोगिता कीमत प्राप्त कर्त्ता होती है	एकाधिकार कीमत निर्धारक होता है।
4-	फर्मो का ~~स्वतंत्र~~ प्रवेश व बर्हिगमन स्वतंत्र होता है	फर्मो का प्रवेश तथा बर्हिगमन कठिन होता है।
5-	मांग की लोच लोचदार होता है	मांग की लोच पूर्णतया लोचदार होती है
6-	इनका उद्देश्य वस्तुओं को सभी फर्मो तक पहुंचाना	इनका उद्देश्य अपना लाभ अधिकतम करना होता है

(0.5.5)

खण्ड (ब)

प्रश्न संख्या (17)
उत्तर संख्या (17)

(i) भारतीय रिजर्व बैंक

उत्तर संख्या (18)

मुद्रा के दो कार्य
1- विनिमय का सस्ता माध्यम
2- मूल्य का मापक

उत्तर संख्या (19)

उ० एक

उत्तर संख्या 20

बचत :- बचत आय का फलन है। आवश्यकता तथा इच्छाओ को संतुष्ट करने के बाद जो धनराशि शेष रह जाती है उसे बचत है। धन का विवेकपूर्ण विनियोजित विनियोग ही बचत है

उत्तर संख्या 21

भुगतान संतुलन :- भुगतान संतुलन वह संतुलन है जिसमे किसी एक देश का अन्य देशों से आय व्यय का लेखा जोखा। इसमें केवल आयात निर्यात ही

(P.T.O)

शामिल नहीं होते बल्कि वस्तुओं तथा सेवाओं को भी शामिल किया जाता है।

उत्तर संख्या (22)

स्फीतिक अंतराल :- स्फीतिक अंतराल अतिरेक माँग के रूप में जानी जाती है। स्फीतिक अंतराल से आशय जब सामूहिक माँग सामूहिक पूर्ति से अधिक होती है तब उत्पन्न होती है।

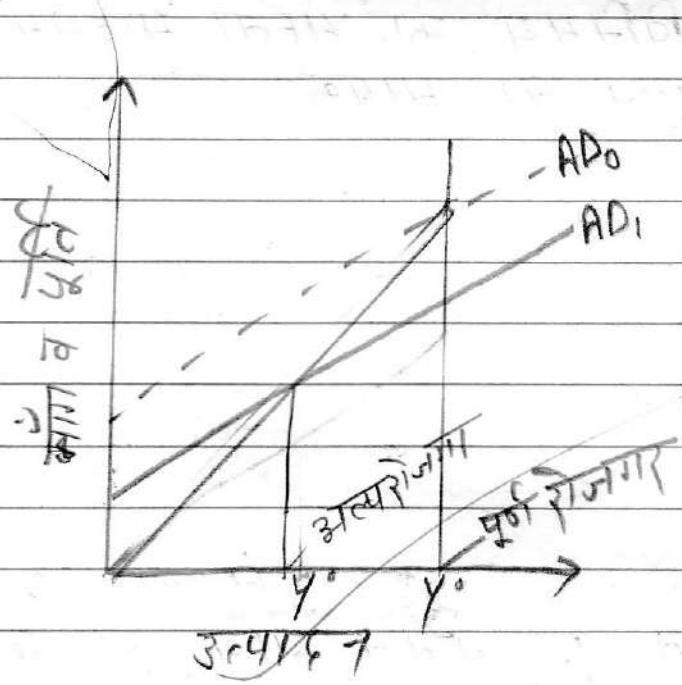

उत्तर संख्या (23)

व्यष्टि अर्थशास्त्र :- व्यष्टि अर्थशास्त्र वह अर्थशास्त्र है जिसमें छोटी इकाइयों का अध्ययन किया जाता है। (परिवार, फर्म आदि।

समष्टि :- समष्टि अर्थशास्त्र वह अर्थशास्त्र है जिसमें बड़ी इकाइयों का अध्ययन किया जाता है। जैसे कुल आय, राष्ट्रीय आय आदि

व्यष्टि व समष्टि अर्थशास्त्र में अंतर

	व्यष्टि	समष्टि
1-	व्यष्टि अर्थशास्त्र में छोटी २ इकाइयों का अध्ययन किया जाता है जैसे परिवार, फर्म	समष्टि अर्थशास्त्र में बड़ी २ इकाइयों का अध्ययन किया जाता है
2-	इसमें अर्थव्यवस्था के किसी एक अंग का अध्ययन किया जाता है।	इसमें पूर्ण अर्थव्यवस्था के का अध्ययन किया जाता है
3-	यह एक स्थैतिक अवधारणा है	यह एक प्रावैगिक अवधारणा है
	यह तोड़ने की प्रक्रिया है	यह जोड़ने की प्रक्रिया है

उत्तर संख्या (24)

समग्र माँग :- समाज की संपूर्ण माँग को समग्र माँग कहते है

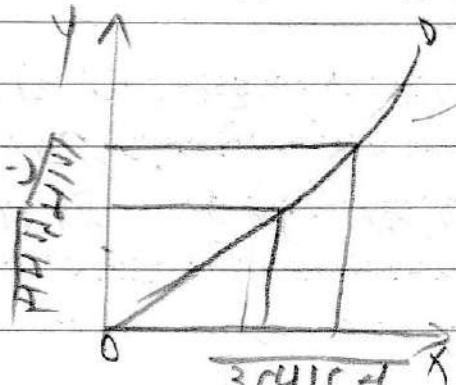

(P.T.O)

समग्र माँग के घटक

समग्र माँग को पूर्ण रोजगार अधिक प्रभावित करता है जो की कुल व्यय पर निर्भर करता है।

1- **खुली अर्थव्यवस्था** :- खुली अर्थव्यवस्था वह अर्थव्यवस्था है जिसमें एक देश का दूसरे देश का आयात निर्यात होता है

खुली अर्थव्यवस्था $C + I + G (X - M)$

C = उपभोग
I = निवेश
G = सरकार का उपभोग व्यय
X-M - आयात - निर्यात

2- **बंद अर्थव्यवस्था** :- वह अर्थव्यवस्था है जिसमें किसी देश के साथ कोई संबंध नही होता है और न ही आयात निर्यात होता है।

बंद अर्थव्यवस्था = $C + I$

उत्तर संख्या (25)

भुगतान संतुलन :- भुगतान संतुलन वह है जिसमे आय व्यय का विवरण प्रस्तुत होता है

(0.75)

1- दृश्य मदे :- दृश्य मदे वे मदे होती है जो किसी पदार्थ की बनी होती है तथा जिन्हे देखा जा सकता है।
जैसे जूट, चाय कपास

2- अदृश्य मदे :- वे मदे होती है जिन्हे देखा नहीं जा सकता है जो किसी पदार्थ की नहीं बनी होती है
~~जैसे~~ उदा० सेवाएँ, बैकिंग, जनसंख्या का आवास प्रवास

उत्तर संख्या (२६)

विनिमय दर :- विनिमय दर एक देश की मुद्रा की इकाई को दूसरे देश की मुद्रा इकाई में बदलना विनिमय दर कहलाती है।

स्थिर विनिमय दर :- स्थिर विनिमय दर वह दर है जिसमें किसी भी प्रकार का परिवर्तन नहीं होता है ~~जैसे~~ यह ~~ब~~ दर सदैव स्थिर रहती है जिससे व्यक्ति को एक स्थान से दूसरे स्थान तक नहीं ले जाया जा सकता है यह एक स्थिर है तथा यह संकुचित होती है। इसमे हम एक देश की मुद्रा की इकाई में बदलने मे कठिनाई होती है।

(P.T.O)

उत्तर संख्या 21

निवेश गुणक :- जब किसी देश में नवीन राशि का निर्माण होता है। प्रारम्भिक गुणक की तुलना दो गुनी वृद्धि हो जाती है इससे उत्पादकों को अधिक लाभ होता है
कीन्स ने गुणक को k से प्रदर्शित किया जाता है

गुणक का गणना सूत्र

$$K = \frac{1}{1-MPC}$$

तालिका

प्रारम्भिक	नवीन राशि	निवेश
1000	1000	~~500~~ 1000
	500	500
	250	250
	125	125
	62.50	62.50
योग		32.
		20,000

$$K = \frac{1}{1-MPC}$$

$$K = \frac{2000}{1000} = 2$$

विनियोग = 2

(ОЛЯ)

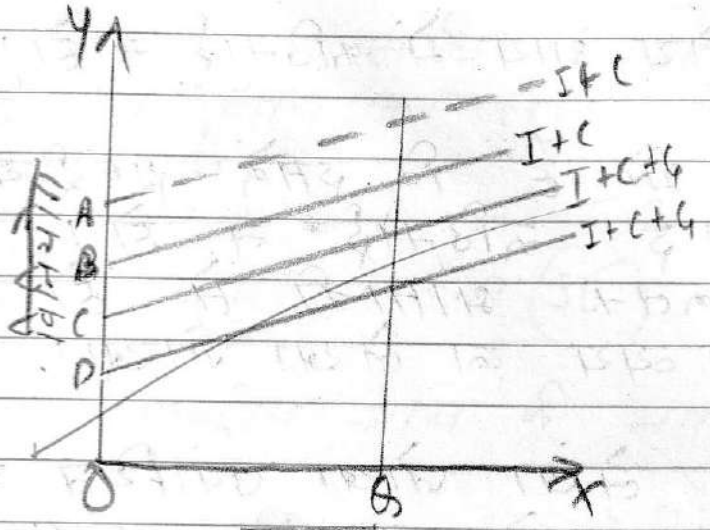

उत्तर संख्या (28)

सरकारी बजट :- बजट फ्रेंच शब्द से लिया गया है Bougalle भाषा जिसका अर्थ है चमड़े का थैला।

सरकार बजट :- ~~सार्वजनिक~~ बजट एक ऐसा प्रपत्र है जिसमें आय व्यय का विवरण होता है

बजट के उद्देश्य

1- आर्थिक विकास :- बजट का उद्देश्य है कि देश में आर्थिक विकास हो सके जिससे देश तरक्की करे तथा इससे आमदनी में विवरण प्रस्तुत हो जाता है

2- समाज में शांति बनाये रखना :- इसका उद्देश्य यह भी है कि इसके द्वारा समाज में शांति बना का रखी जा सकती है तथा बजट हमारे में समाज के लिए आवश्यक है।

3. राष्ट्रीय आय में कठिनाई न हो :- बजट का उद्देश्य यह भी है कि इसके राष्ट्रीय आय में कोई कठिनाई न हो। तथा उसका आकलन आसानी से हो जाये

4. आय व्यय का लेखा जोखा :- बजट में आय व्यय का लेखा जोखा उपस्थित होता है। तथा इसके द्वारा हम आसानी से ज्ञात पाते है

उत्तर संख्या (29)

संतुलित बजट :- संतुलित बजट वह बजट है जिसमें सरकार का आय व्यय बराबर हो

संतुलित बजट = आय = व्यय

बचतपूर्ण बजट :- बचतपूर्ण बजट वह बजट है जिसमें सरकार की आय व्यय से अधिक हो

बचतपूर्ण बजट = आय > व्यय

घाटे का बजट :- घाटे का बजट वह है जिसमें सरकार की आय व्यय से कम हो

घाटे का बजट :- आय < व्यय

बजट में इन तीनों का होना बहुत ही आवश्यक है तथा यह हमारे आय

व्यय के लिए बहुत अधिक महत्वपूर्ण है इसके द्वारा आय व्यय का लेखा जोखा उपलब्ध हो जाता है

उत्तर संख्या (30)

~~कु~~ राष्ट्रीय आय की अवधारणा

1- कुल राष्ट्रीय उत्पाद! - एक वर्ष में उत्पादित वस्तुओं तथा सेवाओं के बाजार मूल्य को कुल राष्ट्रीय उत्पाद कहते है।

~~2~~ कुल घरेलू उत्पाद! . एक वर्ष में उत्पादित वस्तु तथा सेवाओं के मौद्रिक मूल्य का योग कुल घरेलू उत्पाद कहलाता है

3- शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद . एक वर्ष मे उत्पादित वस्तुओं तथा सेवाओं के पुराने~~xxx~~पन से होने वाली ह्रास तथा मूल्य ह्रास को घटा देने से शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद ~~क~~कहते है

शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद!-पुराना ह्रास - मूल्य ह्रास

4- शुद्ध घरेलू उत्पाद ! ~~एक वर्ष में उत्पादित~~ ~~शुद्ध~~ कुल घरेलू उत्पाद में घिसावट व्यय को घटा देने से शुद्ध घरेलू उत्पाद प्राप्त हो जायेगा

शुद्ध घरेलू उत्पाद !. कुल घरेलू उत्पाद - घिसावट व्यय

~~5~~
5- साधन लागत पर राष्ट्रीय उत्पाद ! - ~~कु~~ - शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद में

अप्रत्यक्ष कर घटाना तथा आर्थिक सहायता को जोड़ने पर राष्ट्रीय आय प्राप्त होजायेगी

राष्ट्रीय उत्पाद :- शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद - अप्रत्यक्ष कर + आर्थिक सहायता

6- **उपभोग्य आय** :- एक वर्ष में प्राप्त होने वाली आय जिसका प्रयोग व्यक्ति उपभोग की वस्तुओं को प्राप्त करने के लिए करता है।

7. **वैयक्तिक आय** :- किसी परिवार को ~~प्राप्त~~ तथा व्यक्ति को प्राप्त होने वाली आय जिसका प्रयोग आवश्यकताओं तथा इच्छाओं को संतुष्ट करने के लिए किया जाता है

उत्तर संख्या (31)

केंद्रीय बैंक के कार्य

1- **सरकार के बैंकर का कार्य करना** केंद्रीय बैंक सभी बैंकर को अपने कब्जे में रखता है तथा उसी के कहने पर अन्य बैंक सभी कार्यों को करते है

2- **बैंको का बैंक** :- केंद्रीय बैंक बैंको का बैंक है तथा इसे अंतिम ऋणदाता भी कहते है इसी में सभी बैंकों का खाता होता है तथा यह बैंक सरकार के बैंक का कार्य करता है

3- पत्र मुद्रा का निर्गमन करना :- रिजर्व बैंक पत्र मुद्रा का निर्मन करती है 200 करोड़ सोना विदेशी प्रतिभूतियो पर यह पत्र मुद्रा का निर्गमन करती है।

4- विनिमय का माध्यम :- भारतीय रिजर्व बैंक का अन्य बैंकों से संबंध होता है जिससे वह विनिमय का कार्य करती है

5- साख निर्माण :- भारतीय रिजर्व बैंक का प्रमुख कार्य यह भी है कि यह साख निर्माण करती है यह अन्य बैंको को ऋण देती है।

6-

उत्तर संख्या (32)

अनैच्छिक बेरोजगारी :- वह बेरोजगारी है जिसमें कोई व्यक्ति कार्य करना चाहता है लेकिन उसे कार्य नहीं मिलता है तो उसे अनैच्छिक बेरोजगारी कहते है।

प्रमुख कारण

1- अनियंत्रित अर्थव्यवस्था :- अर्थव्यवस्था अनियंत्रित है जिसके द्वारा अनैच्छिक बेरोजगारी उत्पन्न होती है तथा यह हमारे लिए आवश्यक है।

2- आर्थिक मंदी :- 1929-33 तक हमारे देश में आर्थिक मंदी रही है तथा यह बहुत ही अ बेरोजगारी की समस्या बनी रही है

3. **पर्याप्त पूंजी का अभाव** :- अनैच्छिक बेरोजगारी का प्रमुख कारण पर्याप्त का अभाव का है इसमे पूंजी अधिक लगती है

4. **कुटीर उद्योगो का पतन** अनैच्छिक बेरोजगारी का कारण कुटीर उद्योगो का पतन भी है आज देश में बड़े उद्योगों का निर्माण हो रहा है।

5. **मशीनों का निर्माण** :- बेरोजगारी मशीनों के कारण भी उत्पन्न होती है. क्योंकि आज अधिक कार्य मशीनो से ही किये जाते है मशीनों के निर्माण जो व्यक्ति हाथो से कार्य करते थे आज मशीनो ने उनकी जगह ले ली है